



Mr.chetan katria



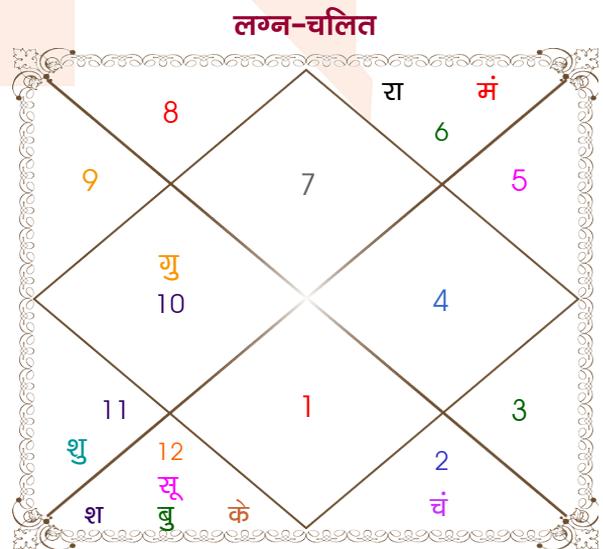
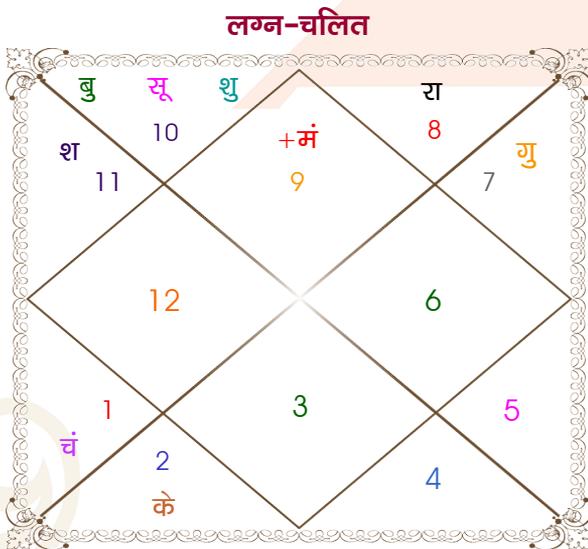
Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120945405

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 19-20/01/1994 : _____ जन्म तिथि _____ : 14/03/1997
 बुध-गुरुवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 05:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:45:00 घंटे
 घटी 55:38:15 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 38:01:20 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Panipat
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:24:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:58:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:22:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:14:41 : _____ सूर्योदय _____ : 06:33:36
 17:49:59 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:29:35
 23:46:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:05

विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 0मा 18दि चन्द्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि राहु
08/02/2023	08:40:38	धनु	लग्न	तुला	13:30:55	15/09/2010
07/02/2033	05:55:10	मक	सूर्य	मीन	00:18:34	15/09/2028
चन्द्र	07:31:12	मेष	चंद्र	वृष	14:39:34	राहु
09/12/2023	29:53:05	धनु	मंगल व	कन्या	03:59:09	28/05/2013
मंगल	16:21:03	मक	बुध	मीन	03:12:44	गुरु
09/07/2024	18:32:06	तुला	गुरु	मक	17:52:22	22/10/2015
08/01/2026	06:36:59	मक	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि
10/05/2027	05:11:55	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	28/08/2018
09/12/2028	07:23:02	वृश्चि	राहु	कन्या	04:56:01	बुध
10/05/2030	07:23:02	वृष	केतु	मीन	04:56:01	केतु
09/12/2030	28:55:25	धनु	हर्ष	मक	13:27:11	शुक्र
09/08/2032	27:24:02	धनु	नेप	मक	05:30:52	सूर्य
07/02/2033	03:49:03	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	चन्द्र
						मंगल
						15/09/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.chetan katria का वर्ग सिंह है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.chetan katria और Ms.nirali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.chetan katria मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।

न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.chetan katria कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.chetan katria कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.chetan katria तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।